प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

# दिव्य लोक

जोधपर, सोमवार, 26 जनवरी 2009 मू

# संगीतकारों की धुन से ठीक होंगे मरीज

***जानमाने संगीतकार अनु मलिक, सुरेश वाडेकर और रश्मि पांड्या मिलकर बनायेंगे भारतीय संगीत की ऐसी धुन, जिससे मरीजो को मिलेगी राहत, रोबोटिक और म्यूजिक थैरेपी से ठीक होंगे लकवा और ब्रेन हैमरेज के रोगी***

**जोधपुर, 16 अक्टूबर।**

समय के साथ अन्य देशों की तरह भारत में भी लकवा, मिर्गी और ब्रेन हेमरेज के रोगी लगातार बढते जा रहे हैं। ऐसे में भारतीय चिकित्सक विदेशों की चिकित्सा प्रणाली को अपना कर रोगियों के इलाज में जुटे हैं। इसी कड़ी में अब रोबोटिक और म्यूजिक थैरेपी के जरिए ब्रेन हेमरेज, लकवा और मिर्गी रोगियों का इलाज किए जाने की ओर गहन अध्ययन चल रहा हैं शीघ्र ही इस पद्धति से मरीजों को लाभ भी मिलने लगेगा। यह जानकारी वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरो रिहेबलिटेशन के उपाध्यक्ष एवं जाने माने न्यूरो फिजिशियन डाक्टर निर्मल सूर्या ने जोधपुर प्रवास के दौरान बताया कि जब किसी को लकवा, मिर्गी, ब्रेन हेमरेज या कोमा की शिकायत होती है तो शुरूआत में तो उसका इलाज कराने परिवार के लोग आगे आ जाते हैं लेकिन बाद में उसके पुनर्वास की ओर प्रयास नहीं होते। ऐसी परिस्थिति में मरीज मौत के मुंह में चला जाता हैं। उन्होंने बताया कि ब्रेन से जुडी बीमारियों को ठीक करने के लिए विदेशों में म्यूजिक थैरेपी काफी प्रचलित हैं उससे कोमा, लकवा और ब्रेन हेमरेज से पीडित मरीजों को काफी राहत मिलती हैं। अमेरिका में तो माईकल टोड ने ऐसे मरीजों को ठीक करने के लिए बकायदा एक वेस्टर्न ट्यून त क तैयार करवाई और हजारों मरीजों को राहत दिलाई हैं जिनमें से काफी सामान्य जिन्दगी तक जी रहे है। डाक्टर निर्मल सूर्या ने बताया कि रोबोटिक और म्यूजिक थैरेपी के साथ-साथ स्कूलों में योगा को अनिवार्य विषय बनाने जैसे विषयों पर आगामी 23 से 25 अप्रेल 2010 को गोवा में आयोजित होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय न्यूरोलोजी एवं पुनर्वास सेमिनार में भी चर्चा की जाएगी। इस सेमिनार के बारे में उन्होंने बताया कि भारत में पहली बार ऐसी सेमिनार हो रही हैं जिसमें 25 देशों के अन्तर्राष्ट्रीय वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ शिरकत करेंगे जिसमें नेपाल, बाग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, अमेरिका और इग्लैड से भी विशेषज्ञ आएंगे यह एक ऐसा प्लेट फॉर्म होगा जहां पर न्यूरोलोजी के मरीजों के पुनर्वास पर चर्चा होगी। उल्लेखनीय हैं कि जोधपुर में जाये जन्में डाक्टर निर्मल सूर्या 23 से 25 अप्रेल तक गोवा में आयोजित होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय न्यरोलोजी पुनर्वास सेमिनार के आयोजन अध्यक्ष हैं। डाक्टर सूर्या मुम्बई के बोम्बे हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, एचएन हॉस्पीटल, सेफी हॉस्पीटल, बीवाईएल हॉस्पीटल एण्ड टीएन मेडिकल कॉलेज एवं नॉर्थकोर्ट पुलिस हॉस्पीटल में न्यूरो फिजिशियन के रूप में अपनी सेवाऐं दे रहे हैं। जोधपुर में आयोजित होने वाले चिकित्सा शिविरों में निःशुल्क सेवाऐं देने वाले डाक्टर निर्मल सूर्या

( शेष पृष्ठ सात पर )

## भारतीय संगीत की धुन करेगी कमाल

डाक्टर निर्मल सूर्या ने बताया कि भारत में भी म्यूजिक थैरेपी के प्रयोग की दिशा में जान-माने संगीतकार अनु मलिक, सुरेश वाडेकर और रश्मि पांड्या को साथ में लेकर एक ऐसी भारतीय संगीत की धुन बनाई जा रही हैं जिससे कोमा, लकवा, ब्रेन हेमरेज एवं मिर्गी के रोगियों को नियमित रूप से म्यूजिक थैरेपी के जरिए जल्दी से जल्दी ठीक किया जा सकेगा। डाक्टर सूर्या ने बताया कि योगा में जरूर कभी-कभी संगीत के जरिए लोगों को तनाव से बाहर निकालने का कार्य किया जाता हैं। मगर अब समय आ गया है जब योगा को स्कूलों में अनिवार्य विषय के रूप में शुरू करने की जरूरत हैं। चाहे वह श्रीश्री रविशंकर हो या फिर ओशो के भक्त योगा व ध्यान के वक्त यहां भी म्यूजिक का प्रयोग किया जाता हैं। उन्होंने बताया कि म्यूजिक थैरेपी के साथ ही रोबोटिक थैरेपी के संबंध में भी आवश्यक प्रयोग की तैयारी की गई हैं। लकवे की वजह से किसी का हाथ या पैर काम नहीं कर रहा हैं।